

This question paper contains 7 printed pages|

Roll No. ....

**1382-P**

**First Year Arts EXAMINATION, 2016**

**HINDI LITERATURE**

**Paper II**

**(गद्य)**

**Time allowed : Three Hours**

**Maximum Marks : 100**

**Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]**

*Answer all questions (50 words each).*

*All questions carry equal marks.*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

**Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]**

*Answer five questions (250 words each),*

*selecting one question from each Unit.*

*All questions carry equal marks.*

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

**Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]**

*Answer any two questions (300 words each).*

*All questions carry equal marks.*

कोई दो प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

## खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

### इकाई-I

- (क) 'अलख आजादी की' नाटक का वर्ण्य विषय क्या है ?
- (ख) सुशील कुमार सिंह ने 'अलख आजादी की' नाटक किसके आग्रह पर लिखा ?

### इकाई-II

- (ग) 'शृंखला की कड़ियाँ' पुस्तक किसकी है ?
- (घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों के नाम लिखिए।

### इकाई-III

- (ङ) साहित्य का मूल धर्म क्या है ?
- (च) 'रस-सिद्धांत' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

### इकाई-IV

- (छ) चार प्रकार के नायकों के नाम लिखिए।
- (ज) द्विवेदी युग के चार नाटककारों का उल्लेख कीजिए।

## इकाई-V

(इ) 'बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है' कथन किसका है ?

(ज) किन्हीं चार ललित निबन्धकारों के नाम लिखिए।

## खण्ड 'ब'

### इकाई-I

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

व्यापार करने आए थे वो राज पा गए,

हिंदोस्तां का तख़्त और ताज़ पा गए।

सौदागरों के भेष में जो भेड़िए घुसे,

फिर देखते ही देखते सब कुछ हड़प गए।

### अथवा

3. जर्मनी से लड़ाई छिड़ी तो गोरों ने कहा—लड़ाई में हमारा साथ दो, हम जर्मनी की तानाशाही और साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। दुनिया में लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं। ..... गोरों ने कहा, लड़ाई के बाद हिंदुस्तानियों की जिम्मेदारी वाला शासन लागू किया जाएगा।

## इकाई-II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

‘मैं केवल अपने सुख में आस्था रखता हूँ,’ ‘मैं केवल जीने की उपयोगिता में आस्था रखता हूँ’ आदि भौतिक तथ्य होने पर भी आस्था के विरोधी हैं। पर ‘मैं दिव्य जीवन में आस्था रखता हूँ,’ ‘मैं जीवन की आध्यात्मिक परिणति में आस्था रखता हूँ,’ भावात्मक स्थिति रखने पर भी आस्था के निकट हैं। कारण स्पष्ट है। पहले तथ्य में समष्टि की अस्वीकृति और दूसरी भावना में उसकी स्वीकृति है।

### अथवा

5. मन की सारी भ्रान्ति को दूर करने वाले देवदास; तुम्हें देखकर मन श्रद्धा से जो भर जाता है, वह अकारण नहीं है। तुम भूत-भगावन हो, तुम वहम-मिटावन हो, तुम भ्रान्ति-नसावन हो। तुम्हें दीर्घकाल से जानता था, पर पहचानता नहीं था। अब पहचान भी रहा हूँ। तुम देवता के दुलारे हो, महादेव के प्यारे हो, तुम धन्य हो।

### इकाई-III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सामन्ती समाज के साहित्य की सबसे बड़ी कमजोरी होती है — निष्क्रियता। तुलसी का साहित्य निष्क्रियता का साहित्य नहीं है। धनुर्धर राम रावण का वध करने वाले पुरुषोत्तम हैं। समुद्र उनकी विनय नहीं सुनता, तब वह 'भय बिनु होय न प्रीति' का मंत्र सिद्ध करते हैं। तुलसी का साहित्य जीवन की अस्वीकृति का साहित्य नहीं है।

#### अथवा

7. हिमालय भूगोल रहता तो उसे भूलना आसान था, कमरे नक्शे हटा देने से इस समस्या का समाधान हो जाता और अगर यह इतिहास होता तो भी प्रगतिशील होकर इससे मुक्ति मिल जाती, यह अगर केवल चौकीदार होता तो नौद की गोली से इसके परवल की पुकार से छुट्टी मिल जाती, पर यह न भूगोल है, न इतिहास है, न भूगोल या इतिहास का प्रहरी, यही तो बस है, मात्रा अस्ति है, न भूत, न भविष्यत्।

### इकाई-IV

8. “‘करुणा’ शुक्लजी का मनोवैज्ञानिक निबंध है,” कथन की व्याख्या कीजिए।

### अथवा

9. ‘अस्ति की पुकार-हिमालय’ निबंध में आए मिश्रजी के विचारों को उद्घाटित कीजिए।

### इकाई-V

10. प्रसादजी के नाटकों की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

### अथवा

11. ललित निबन्धों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

### खण्ड ‘स’

12. “‘अलख आजादी की’ ..... भारत के पुराने गौरव की याद दिलाता है।” इस कथन की समीक्षा नाटक ‘अलख आजादी की’ के आलोक में कीजिए।

13. 'एक लम्बी कविता का अंत' निबंध में लेखक के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
14. नाटक के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।
15. अज्ञेय के निबंध 'गिलहरी' में आए अज्ञेय के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
16. हिंदी निबंध साहित्य के विकास के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए।